आकलन के साक्ष्यों के
प्रमाणन और विश्लेषण से सम्बन्धित
बार-बार पूछे जाने वाले प्रश्न

क्रमांक	प्रश्न	उत्तर
1.	**किसी सत्र के लिए आकलन के साक्ष्यों को भेजने के लिए विद्यालयों का चयन किस प्रकार होता है?**	जैसा कि आप जानते हैं कि बोर्ड आकलन के साक्ष्यों के संग्रहण और विश्लेषण का कार्य वर्ष में दो बार, प्रत्येक सत्र में एक बार, करता है। इस कार्य में सभी स्कूलों को शामिल करने के लिए बोर्ड प्रत्येक सत्र के लिए यादृच्छिक ढंग से सम्बद्ध स्कूलों में से आधे स्कूलों को चुनता है। इनके अतिरिक्त निम्नलिखित को भी शामिल किया जाता है क. चुने गए वे स्कूल जिन्होंने पिछले सत्र में निश्चित नोडल केन्द्र पर आपने साक्ष्य नहीं भिजवाए थे। ख. ऐसे स्कूल जिन्होंने पिछले सत्र में विश्लेषण कार्य में कम अंक प्राप्त किए थे। किसी सत्र के आकलन साक्ष्यों को भेजने के लिए विद्यालयों की सूची सम्बन्धी सूचना के.मा.शि.बो की शैक्षणिक वेबसाइट पर अपलोड कर दी जाती है जो विषय (अंग्रेजी, हिन्दी, गणित,विज्ञान अथवा सामाजिक विज्ञान) तथा कक्षा (IX अथवा X), नोडल केन्द्र/नगर समन्वयक का ब्यौरा जहां साक्ष्य भेजे जाने हैं- को संसूचित करती है।
2.	**साक्ष्यों को भेजने के लिए किन निर्देशों का पालन करना है?**	विद्यालयों को निर्देश दिया जाता है कि वे नोडल केन्द्र पर आकलन के साक्ष्य कैसे भेजने है- वाले परिपत्र को ध्यान से देखें। ऐसा परिपत्र सत्र समाप्त होने से पूर्व साक्ष्यों को भेजने की घोषणा करते हुए जारी किया जाता है। बाद में स्कूलों की एक सूची अपलोड की जाएगी जिसमें विषय, कक्षा और साक्ष्य भेजे जाने वाले नोडल केन्द्रों कि पूरी सूचना होती है। *विद्यालय 'आकलन के साक्ष्यों' के लिए माइक्रोसाइट पर 'विद्यालयों के लिए मार्गदर्शिका' को भी देख सकते हैं।*
3.	**मेरे विद्यालय में कक्षा IX/X में 15 से कम विद्यार्थी हैं। मैं इन विद्यार्थियों के आकलन के साक्ष्य कैसे भेजूं?**	यदि आपके विद्यालय में कक्षा IX/X मे 15 से कम विद्यार्थी हैं तो आप सभी विद्यार्थियों के साक्ष्य भेज सकते हैं।
4.	**मेरे स्कूल को हिन्दी विषय के साक्ष्य भेजने के लिए चुना गया है परन्तु हमारे यहां हिन्दी के स्थान पर पंजाबी/मलयालम विषय है। कृपया हमारा मार्ग दर्शन करें।**	आकलन के साक्ष्य पांच विषयों के लिए एकत्रित किए जाते हैं -हिन्दी, अंग्रेजी, गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान। यदि किसी स्कूल में हिन्दी विषय नहीं है तो वह क्षेत्रीय अधिकारी को सूचित करके अंग्रेजी के साक्ष्य भेज सकता है। अधिक जानकारी के लिएsinghmcbse@gmail.comपर संपर्क किया जा सकता है।
5.	**मेरे स्कूल को कक्षा X के साक्ष्य भेजने को कहा गया है परन्तु हमारा स्कूल नया है और इसमें केवल कक्षा**	स्कूल क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा संसूचित विषय में कक्षा IX के साक्ष्य भेज सकता है और इसकी जानकारी सम्बधित क्षेत्रीय कार्यालय/नोडल केन्द्र को भेज देनी चाहिए।

	IX के विद्यार्थी हैं हमें क्या करना चाहिए।	
6.	**हमारा स्कूल नया सम्बद्ध स्कूल है। इसको साक्ष्य भेजने के लिए नहीं चुना गया है। कृपया हमें अगले कदम के बारे में बताएं?**	प्रत्येक सत्र के लिए केवल 50% विद्यालयों को ही साक्ष्य भेजने के लिए चुना जाता है। कुछ कम अंक प्राप्त करने वाले तथा गत सत्र में साक्ष्य न भेजनेवाले स्कूलों को भी साक्ष्य जमा करने के लिए कहा जा सकता है। आम तौर पर विद्यालयों को वर्ष में एक बार साक्ष्य भेजने के लिए कहा जाता है। तो आपको अगली बार साक्ष्य भेजने के लिए कहा जा सकता है।
7.	**हमारे विद्यालय को इस सत्र के लिए कक्षा X के साक्ष्य भेजने के लिए चुना गया है। क्या हमें मुक्त पाठ आधारित आकलन के साक्ष्य भी भेजने की ज़रूरत है?**	केवल उन्हीं स्कूलों को मुक्त पाठ आधारित आकलन के साक्ष्य भेजने है जिन्हें कक्षा IX के लिए चुना गया है।
8.	**विद्यार्थियों की उपस्थिति के साक्ष्य कैसे भेजे जाएं?**	परिपत्र के अनुसार आपको सत्र 2016-2017 के किन्हीं दो महीनों की उपस्थिति की उपस्थिति रजिस्टर से फोटोकापियां भेजनी हैं जिसमें चुने गए 15 विद्यार्थियों की उपस्थिति को रेखांकित करें और परिपत्र के संलग्नक III को पूरी तरह से भरकर भेजें।
9.	**मेरे विद्यालय को पिछले सत्र की प्रतिपुष्टि रिपोर्ट नहीं मिली है?**	बोर्ड ने ऑनलाइन अपडेशन सिस्टम शुरु किया है जिसके द्वारा विद्यालय अपने साक्ष्यों के बारे में अद्यतन स्थिति जान सकते हैं जैसे पावती, विश्लेषण इत्यादि के बारे में। (http:// http://49.50.70.100/eoa/index.asp) इस सुविधा से विद्यालय अपनी प्रतिपुष्टि, आगे की कार्यवाही हेतु डाऊनलोड कर सकते हैं। इस लिए अब प्रतिपुष्टि रिपोर्ट की और प्रतीक्षा करने की ज़रुरत नहीं है।
10.	**मुझे अपनी प्रतिपुष्टि रिपोर्ट मिल गई जिसमें दो पक्ष जांचे ही नहीं गए और जोड़ भी गलत है। क्या किया जाए?**	आप अपनी शिकायतsinghmcbse@gmail.comपर मेल कर दें। ऑनलाइन अपडेशन सिस्टम पर अपनी शिकायत दर्ज करने अथवा विश्लेषण कार्य सम्बन्धी अवलोकन को दर्ज करने का प्रावधान है। प्रतिपुष्टि रिपोर्ट विषय मूल्यांकनकर्ता द्वारा साक्ष्यों के सावधानी पूर्ण विश्लेषण और तथ्यों को रिकार्ड करने के बाद तैयार की जाती है। प्रतिपुष्टि रिपोर्ट अपलोड होने के लिए तैयार होने से पूर्व नगर समन्वयक अथवा क्षेत्रीय अधिकारी को प्रमाणित और हस्ताक्षरित करनी होती है। अत: इस सम्बन्ध में किसी गलती की सम्भावना बहुत कम है। फिर भी यदि किसी प्रकार की लापरवाही अथवा अशुद्धि पाई गई, तो आपको संशोधित प्रतिपुष्टि रिपोर्ट शीघ्र भेज दी जाएगी,
11.	**क्या किसी स्कूल द्वारा किसी सत्र में प्राप्तांक अन्य विद्यालयों के मध्य उसकी स्थिति को प्रभावित करेंगे?**	विश्लेषण करने का मुख्य उद्देश्य विद्यालयों में आकलन के लिए अपनाए जाने वाले मजबूत और कमजोर क्षेत्रों को पहचान कर, उन्हें प्रतिपुष्टि देना है। अत:इसका उद्देश्य विद्यालयों को उनके आकलन प्रयासों में सहयोग देना है न कि कोई निर्णय देना है।
12.	**हमने रचनात्मक आकलन के लिए के.मा.शि.बो द्वारा निर्धारित विभिन्न उपकरणों का प्रयोग**	किसी विशेष सत्र के लिए रचनात्मक आकलन हेतु उपकरण चुनते समय लिखित कार्य, व्यक्तिगत क्रियाकलाप और समूह क्रियाकलाप के बीच सन्तुलन सुनिश्चित करना चाहिए। कार्य की प्रकृति ऐसी होनी चाहिए कि वह दोनों सत्रों के आकलन में विविधता प्रदान करे।

	किया है परन्तु प्रतिपुष्टि में दी ग्रेडिंग 'सामान्य' प्रतीत होती है। हम कैसे सुधार करें?	
13.	**हम किसी विशेष रचनात्मक आकलन में पहले से पांच कार्यों को प्रयोग कर रहे हैं। हमें अपने शिक्षण साधनों को अधिक प्रभावशाली बनाने के लिए कुछ सुझाव दीजिए।**	कृपया सीसीई का संशोधित मैन्युअल देखें जिसे बोर्ड की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है यद्यपि बोर्ड एक सत्र में बच्चों पर अधिक गतिविधियों का बोझ डालने के पक्ष में नहीं है। बोर्ड की अपेक्षा है कि एक सत्र में प्रत्येक विद्यार्थी को प्रत्येक विषय में एक व्यक्तिगत, एक समूह और एक लिखित क्रियाकलाप दिया जाए।
14.	**हम रचनात्मक आकलन कार्यों का स्तर कैसे सुधार सकते हैं?**	विद्यार्थियों के लिए उच्च स्तरीय सोच प्रक्रिया के प्रश्न शामिल करने के द्वारा जैसे उनसे विवेचना, विश्लेषण, मूल्यांकन, सुझाव किसी समस्या के लिए हल देने को कहना।
15.	**कृपया रचनात्मक आकलन में अन्तिम ग्रेड चुनने के लिए मार्गदर्शन दीजिए।**	अन्तिम ग्रेड प्राप्त करने के लिए- (i) सौंपे गए कार्यों में सर्वश्रेष्ठ स्कोर चुनना अथवा दो क्रियाकलापों (एक व्यक्तिगत और एक समूह) का सर्वश्रेष्ठ स्कोर चुनना और इसको लिखित कार्य/यूनिट टेस्ट से मिला कर औसत निकालना
16.	**क्या यह आवश्यक है कि प्रत्येक सत्र में प्रत्येक विषय के रचनात्मक आकलन के लिए प्रोजेक्ट कार्य करवाया जाए।**	बोर्ड की अपेक्षा है कि विद्यार्थी एक सत्र में कम से कम एक प्रोजेक्ट करे। विद्यालयों को परामर्श दिया जाता है कि वह वैकल्पिक शिक्षण विधि के रूप में बहु विषयक समूह प्रोजेक्ट की योजना बनाएं। प्रोजेक्ट के आकलन के लिए टार्गेट और रूब्रिक्स पहले ही विद्यार्थियों के साथ मिल कर साझा कर लेने चाहिए। सभी विद्यालयों द्वारा बहुविषयक समूह प्रोजेक्ट्स की प्रभावकारी मानीटरिंग और वस्तु निष्ठ आकलन को सुनिश्चित किया जाना चाहिए।
17.	**बोर्ड अपने विद्यार्थियों को बहुविषयक समूह प्रोजेक्ट्स देनेकी जोरदार वकालत करता है। इसको कैसे किया जा सकता है?**	बहुविषयक प्रोजेक्ट्स नियत करने से विद्यार्थी अन्य विषयों के साथ उसका जुड़ाव, सम्बन्ध और विस्तार देख सकते हैं। इससे विद्यार्थियों पर एक से अधिक विषय के लिए व्यक्तिगत कार्य करने का बोझ भी कम होता है। समूह प्रोजेक्ट्स में अलग योग्यता और रूचि वाले विद्यार्थी दिए गए विभिन्न विषयों पर मिल कर काम करते हैं। इससे उनकी समझ और कौशल में वृद्धि होती है क्योंकि वे आपसी बहस और अन्तर्क्रिया द्वारा अपने काम को अधिक इच्छा और रूचि से करते हैं। यद्यपि ऐसे प्रोजेक्ट्स में शिक्षकों के निरंतर मार्गदर्शन और हस्तक्षेप की नियमित अन्तरालों पर आवश्यकता होती है जिससे उनके सहकारी प्रयास को अधिक अर्थपूर्ण और प्रासांगिक बनाया जा सके।. **कार्य देने के लिए कदम** 1. अलग-अलग योग्यता वाले 4 से 8 बच्चों का विषमांगी समूह चुनना 2. विषय चुनना

		3. विषय पर काम करने के लिए समय का ढांचा 4. रफ रिपोर्ट को जमा करना 5. शिक्षकों के सुझाव 6. आत्म आकलन की चेक लिस्ट जमा करना 7. प्रोजेक्ट रिपोर्ट जमा करना प्रत्येक उप-शीर्षक के लिए 1 या ½ अंक दिया जाए 1. विषय चुनना 2. रिपोर्ट की सामग्री 3. अन्तर्विषयी: शामिल विषयों की संख्या (यदि 2 से अधिक विषय हों तो प्रत्येक के लिए ½ अंक अन्यथा ¼ अंक) 4. नवाचार/चिन्तन कौशल 5. अनुसंधान 6. सामाजिक कौशल/समकक्षों का आपसी व्यवहार 7. ज्ञान की गहराई/अध्ययन की गहराई 8. सन्दर्भ 9. रिपोर्ट का निष्कर्ष 10. चेक लिस्ट (जांच सूची)
18.	**किस कारण बोर्ड ने सहशैक्षिक आंकलनो के साक्ष्य मांगे हैं?**	विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में सहशैक्षिक क्षेत्र एक महत्त्वपूर्ण क्षेत्र है और विद्यालयों द्वारा इसको बराबर का महत्त्व दिए जाने की ज़रूरत है। यद्यपि कई स्कूलों में वे इस क्षेत्र की अवहेलना करके सहशैक्षिक क्षेत्र में अंक बढ़ाकर अपग्रेडेशन नीति से लाभ उठाना चाहते हैं। इस कारण से बोर्ड ने शैक्षिक क्षेत्र के साथ-साथ सहशैक्षिक क्षेत्र के आकलन के साक्ष्यों को मांगना शुरू किया।
19.	**सहशैक्षिक आकलन के लिए कौन से साक्ष्य भेजने चाहिए।**	सहशैक्षिक आकलन के साक्ष्य केवल उन्हीं विद्यार्थियों के लिए भेजे जाने चाहिए जिन्हें रचनात्मक आकलन के साक्ष्यों के लिए चुना गया हो। विद्यालय लेख, फोटो, पुराना रिकार्ड, चार्ट, कविताएं, विद्यार्थी के प्रदर्शन की सी.डी. इत्यादि को निम्नलिखित प्रारूप में भेज सकते हैं-

आकलन का प्रकार	**जीवन कौशल** ☐ **कार्य शिक्षा** ☐ **दृश्य और प्रदर्शनीय कलाएं** ☐ **मनोवृत्तियां और मूल्य** ☐ **सहशैक्षिक क्रियाकलाप** ☐ **स्वास्थ्य अवं शारीरिक क्रियायें** ☐
आयोजित क्रियाकलाप	
क्रियाकलाप का विवरण	
प्रयोग किए गए उपकरण	
आकलन हेतु रूब्रिक्स	
आकलन का रूप	

<table>
<tr><td></td><td></td><td>व्यक्तिगत एक शिक्षक/शिक्षकों का समूह</td><td colspan="3"></td></tr>
<tr><td></td><td></td><td>विद्यार्थी का प्रदर्शन</td><td>विद्यार्थीकी क्रम संख्या</td><td>दिए गए अंक/ग्रेड</td><td>उपलब्धि पर टिप्पणियां</td></tr>
<tr><td></td><td></td><td></td><td>1.</td><td></td><td></td></tr>
<tr><td></td><td></td><td></td><td>2.</td><td></td><td></td></tr>
<tr><td></td><td></td><td></td><td>3.</td><td></td><td></td></tr>
<tr><td></td><td></td><td></td><td>4.</td><td></td><td></td></tr>
<tr><td></td><td></td><td></td><td>5.</td><td></td><td></td></tr>
<tr><td></td><td></td><td></td><td>6.</td><td></td><td></td></tr>
<tr><td></td><td></td><td></td><td>7.</td><td></td><td></td></tr>
<tr><td></td><td></td><td></td><td>8.</td><td></td><td></td></tr>
<tr><td></td><td></td><td></td><td>9.</td><td></td><td></td></tr>
<tr><td></td><td></td><td></td><td>10.</td><td></td><td></td></tr>
<tr><td></td><td></td><td></td><td>11.</td><td></td><td></td></tr>
<tr><td></td><td></td><td></td><td>12.</td><td></td><td></td></tr>
<tr><td></td><td></td><td></td><td>13.</td><td></td><td></td></tr>
<tr><td></td><td></td><td></td><td>14.</td><td></td><td></td></tr>
<tr><td></td><td></td><td></td><td>15.</td><td></td><td></td></tr>
<tr><td></td><td></td><td>विद्यार्थियों के प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए अपनाए गए उपाय(कठिन क्षेत्रों की पहचान करना प्रतिपुष्टि और उपचार प्रदान करना, साक्ष्यों सहित)</td><td colspan="3"></td></tr>
<tr><td></td><td></td><td>संलग्न किए गए साक्ष्यों की प्रकृति (फोटो, सीडी, विद्यार्थी का परिणाम, पुराना रिकार्ड पोर्टफोलियो)</td><td colspan="3"></td></tr>
<tr><td>20.</td><td>विद्यार्थी के प्रदर्शन को बेहतर करने के क्या</td><td colspan="4">आकलन को शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में समाहित होना चाहिए इसको विद्यार्थियों की उपलब्धि में सुधारलाने तथा शिक्षण-अधिगम रणनीतियों के लिए प्रयोग करना चाहिए।</td></tr>
</table>

	उपाय हैं?	विद्यार्थियों के प्रदर्शन स्तर को सुधारने के लिए विद्यालयों को उनके कठिनाई के क्षेत्र, शैक्षिक सत्र के प्रारम्भ से ही रचनात्मक परीक्षाओं के माध्यम से खोजने चाहिए और उपयुक्त अन्तराल के बाद माता-पिता को इसकी जानकारी देनी चाहिए वे उसकी अधिगम क्षमता को बढ़ाने के लिए उपचारात्मक कदमों की सिफारिश करेंगे। इससे निदान, उपचारात्मक कार्यवाही और अधिगम में वृद्धि होगी।
21.	**सहशैक्षिक क्षेत्र के पक्ष का आकलन कैसे करना चाहिए?**	सहशैक्षिक आकलन में जीवन कौशल, कार्यशिक्षा, दृश्य और प्रदर्शनीय कलाएं, मनोवृतियां और मूल्य, तथा सहपाठ्यक्रम गतिविधियां शामिल होती हैं। इनके आकलन के लिए अलग से क्रियाकलाप निश्चित करने के साथ-साथ विद्यालय इनको प्रमुख स्कूली कार्यक्रमों और क्रियाकलापों में निम्नलिखित ढंग से जोड़ सकते हैं: (i) बाहर की यात्राएं/टूर/सर्वेक्षण/खेलों/बोर्ड डिस्पले/ प्रोजेक्ट कार्य इत्यादि की योजना बनाते समय शिक्षकों को जीवन कौशल, गुणवत्ता और मनोवृति के पर्यवेक्षण को आकलन के रूप में अवश्य जोड़ लेना चाहिए। उन्हें आकलन के संकेतक के रूप में इसके लिए रूब्रिक्स तैयार कर लेना चाहिए। उदाहरण के लिए समस्या समाधान के लिए नया उपागम, कार्य करने की इच्छा इत्यादि। ऐसे क्रियाकलापों की योजना काफी पहले सत्र के प्रारम्भ में ही बना लेनी चाहिए और विद्यार्थियों को अच्छी तरह से जानकारी देनी चाहिए। (ii) किसी विशेष पाठ को पढ़ाने के लिए रोल प्ले, कौशल इत्यादि तैयार करते समय सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों को भी शैक्षिक गतिविधियों के साथ जोड़ा जा सकता है। (iii) प्रदर्शनी एवं कक्षा में प्रस्तुति के साथ कक्षा द्वारा प्रोजेक्ट पूरा होने के बाद पावर पॉइन्ट प्रस्तुति के समय अभिव्यक्ति और प्रस्तुति कौशल सुझाए जा सकते हैं। सहशैक्षिक क्षेत्र में गतिविधियों की योजना वर्ष के प्रारम्भ में ही क्रमानुसार बनाई जाती है ताकि प्रत्येक बच्चा गैर अकादमिक क्षेत्र में अपने कौशल सीख और सुधार सके। प्रत्येक महीने आकलित किए जाने वाले मूल्यों/ कौशलों/मनोवृतियों के लिए योजना कार्यक्रम और निश्चित क्रियाकलापों को बता दिया जाए। **आकलन के उपकरण और तकनीके** **भाग 2: सह शैक्षिक क्षेत्र** **2(A) जीवन कौशल 2 (D) मनोवृतियां और मूल्य** ● कोई विशेष समय निश्चित नहीं किया जाता है। ● आकलन वर्ष भर के अवलोकनों पर निर्भर होता है तथा अंक दैनिक आधार पर दिए जाते हैं। ● विद्यालय के बुलेटिन बोर्ड पर प्रदर्शन चार्ट लगाए जा सकते हैं। ● प्रत्येक अध्यापक के पास एक नोट बुक, दैनिक विद्यार्थी अवलोकन डायरी होनी चाहिए जिसमें विवरण रिकार्ड किया जा सके। ● प्रत्येक विद्यार्थी का पुराना रिकार्ड बनाए रखा जाता है। ● शैक्षिक और सह शैक्षिक क्षेत्र में बच्चे की प्रगति के रिकार्ड के लिए पोर्टफोलियो का प्रयोग किया जाता है। ● महीने में एक बार माता-पिता से मिल कर अभिभावक शिक्षक रिकार्ड डायरी को अपडेट करना चाहिए। ● वर्णनात्मक संकेतकों के आधार पर अंक देने चाहिए। ● रिकार्ड बनाने के लिए शिक्षकों को महीने में 2 बार मिलना चाहिए।

		2(B)कार्य शिक्षा और 2 (C) दृश्य और प्रदर्शनीय कलाएं: ● सप्ताह में नियमित 1 पीरियड दिया गया है। ● शिक्षकों को लॉगबुक बनानी चाहिए और प्रत्येक कक्षा में किए गए क्रियाकलाप का रिकार्ड रखना चाहिए। ● तुरन्त सन्दर्भ के लिए शिक्षकों के पास संकेतकों की सूची है। ● लिखित और प्रयोगात्मक कार्य किए जाते हैं। **भाग3: सहशैक्षिक क्रियाकलाप** **3A:** 1. शिक्षक को अवश्य ही लॉग बुक बनानी चाहिए और दिमाग में संकेतक रख कर क्रियाकलापों की योजना बनानी चाहिए जो कि विद्यार्थियों में कौशल विकसित कर सके। 2. **संगठनात्मक और नेतृत्व कौशल के विकास के लिए** प्रत्येक विद्यार्थी को स्कूल में काम कर रहे निम्नलिखित क्लबों में से किसी एक का सदस्य होना चाहिए। जैसे- ● **विरासत क्लब (Heritage Club)** अपनी समृद्ध मूर्त और अमूर्त विरासत के संरक्षण के प्रति यात्राओं, चर्चाओं, कार्यशालाओं और दर्शन करने के माध्यम से जागरूकता फैलाना ● **इको क्लब:** पर्यावरण की रक्षा, स्कूल में कम्पोस्ट खाद बनाना, पर्यावरण सम्बन्धी आंकड़े रिकार्ड करना और कार्यशालाओं के माध्यम से इन के बारे में सामाजिक चेतना पैदा करना ● **आपदा प्रबन्धन क्लब:** आपदा हेतु तैयारी, आग, भूचाल, आंतकी हमले, बन्धक बनाए जाने की स्थिति हेतु नियमित मॉक ड्रिल ● **सामान्य ज्ञान क्लब:** सामान्य जागरूकता, वर्तमान घटनाएं ● **किशोर शिक्षा कार्यक्रम:** किशोरों की समस्याएं और नशीले पदार्थों का प्रयोग ● **स्वास्थ्य और भलाई क्लब:** स्वस्थ रहने और शारीरिक रूप से फिट रहने की युक्तियां **3B:स्वास्थ्य और शारीरिक शिक्षा** विद्यार्थी तेजी से बढ़ते हैं और उनकी ऊर्जा को दिशा देने के लिए शारीरिक गतिविधियां दैनिक दिनचर्या का हिस्सा हैं। प्राय: दैनिक रूप से लेख कूद के साथ प्रत्येक विद्यार्थी को निम्नलिखित खेलों में से एक खेल चुनना होता है। 1. आऊटडोर और इनडोर खेल जैसे क्रिकेट,बास्केटबॉल हाकी, खो-खो, कैरम, ताइक्वान्डो इत्यादि। 2. अपने विद्यार्थियों की जन्मजात योग्यताओं को बढ़ाने के लिए निम्नलिखित विकल्प दिए जा सकते हैं-योगा/जिमनैस्टिक्स/फर्स्टएड/श्रमदान
22.	**विद्यार्थी पोर्ट फोलियो क्या होता है?**	पोर्टफोलियो किसी विद्यार्थी के कार्यों का सोद्देश्य किया गया संग्रह है जो विद्यार्थी के प्रयासों, प्रगति और उपलब्धियों को पाठ्यक्रम के एक या अधिक क्षेत्रों में प्रदर्शित करता है। किसी विद्यार्थी के पोर्टफोलियो में निम्नलिखित शामिल हो सकते हैं- ● विद्यार्थी के कला के कार्यों के फोटोग्राफ, वाद विवाद/चर्चाओं/दृश्य और प्रदर्शनीय कलाओं में उसकी प्रतिभागिता

		• उनकी सोच और मनोवृत्ति तथा योग्यताओं के साक्ष्य के रूप में चित्रकारी, पेन्टिंगस और उनकेकलात्मक प्रयास के अन्य उदाहरण • ऑडियो वीडियो रिकार्डिंग्स • आत्म आकलन के प्रमाण के रूप में आत्म आकलन पत्र • सामाजिक जीवन कौशल, प्रोजेक्ट्स और साथियों से व्यवहार के साक्ष्य के रूप में समकक्षी आकलनशीट • *अधिक विवरण के लिए आप सीसीई पर शिक्षक मैन्युअल को देख सकते हैं।*
23.	**पिछली बार प्रतिपुष्टि रिपोर्टों और हैन्डआउट्स में कुछ शब्दों जैसे 'शिक्षक के नोट' और 'डायरी' का प्रयोग किया गया है। ये क्या हैं? क्या उनके लिए निर्धारित प्रारूप है?**	प्रभावकारी योजना सफल शिक्षण का आधार है जो शिक्षकों और विद्यार्थियों दोनों को एक ढांचा और सामग्री प्रदान करती है जिस पर विचार करके मूल्यांकन किया जा सकता है। 'शिक्षक के नोट''डायरी' निम्नलिखित के उत्तर ढूंढने में शिक्षक की सहायता करते हैं: • विद्यार्थियों की प्रकृति, उनके अधिगम का स्तर, शिक्षा परिणामों के रूप में अधिगम की गहराई। • विषय, शिक्षण बिन्दु। • शिक्षण और अधिगम के तरीके, शिक्षा परिणामों को अनुभूत करने की सबसे उपयुक्त सहायक सामग्री और संसाधन। • अनौपचारिक और औपचारिक आकलन, प्रश्न पूछने की तकनीकें और प्रतिपुष्टि। प्रत्येक शिक्षक सत्र के लिए पाठ योजना बना कर शिक्षक विद्यार्थियों द्वारा अनिवार्य अधिगम परिणामों की प्रवीणता को सुनिश्चित करने हेतु शिक्षण और आकलन गतिविधियों को व्यवस्थित करता है। शिक्षक डायरी में निम्नलिखित होता है- i) विषय: a. शिक्षण बिन्दु b. आवश्यक अधिगम की गहराई, विस्तार और परिष्करण c. अन्तर्निहित अवधारणाएं, उप-सिद्धान्त, उनका अनुक्रम और आपसी सम्बन्ध ii) सामग्री, क्रियाकलाप और सन्दर्भ स्थिति के साथ अधिगम परिणाम। iii) शिक्षण सहायक सामग्री (श्रवणीय, दृश्य और गतिबोधक) जो अधिगम की विभिन्न शैलियों के अनुरूप हो। iv) पढ़ाए जाने वाले विषयों में अन्तर्निहित अनिवार्य तथ्यों, अवधारणाओं, सामान्यीकरण और सिद्धान्तों को प्रस्तुत करने के प्रारम्भिक और विकासात्मक क्रियाकलाप तथा विद्यार्थियों को विषय को समझने एवं अन्तस्थ करने हेतु अर्थपूर्ण अधिगम अनुभव प्रदानकरना। v) आकलन क्रियाकलाप। क) अधिगम के दौरान विद्यार्थियों की प्रगति को मानीटर करने की रचनात्मक आकलन रणनीतियां। ख) विद्यार्थियों को प्रतिपुष्टि देना और यदि आवश्यक हो तो उपचारात्मक उपाय करना। ग) अनिवार्य अधिगम परिणामों में प्रवीणता सुनिश्चित करने के लिए योगात्मक आकलन की रणनीतियाँ। घ) पाठ से प्राप्त अधिगम का सार बताने, इसका जीवन से सम्बन्ध दर्शाने तथा विद्यार्थियों को अगले पाठ के लिए तैयार करने हेतु समापन के क्रियाकलाप। **प्रस्तावित पाठ योजना का प्रारूप**

पाठ योजना प्रारूप

तिथि :_____ कक्षा और विभाग :_____

पाठ :_____

पढ़ाए जाने वाले विषय :_____

शीर्षक	**ब्यौरा**
वांछित अधिगम परिणाम	पाठ के अंत में विद्यार्थी क्या सीखेंगे? चिन्तन कौशल के सभी स्तरों उच्च चिन्तन सहित का विशेष उल्लेख किया जाए। उदाहरण के लिए विद्यार्थी, पढ़ाए गए विषय का आलोचनात्मक विश्लेषण करने योग्य होंगे।
शिक्षण शैली/शिक्षण विधि	पाठ पढ़ाने के लिए प्रयोग किए जाने वाले सभी तरीकों की सूची बनाइये। जैसे उपकरण/वर्कशीट्स/कम्प्यूटर/पुस्तक का पृष्ठ/प्रयोगशाला की सामग्री/चार्ट/ब्लैक बोर्ड/ग्राफ्स इत्यादि प्रयोग की गई विधि/तकनीक जैसे अन्तर्क्रियात्मक, समकालीन उदाहरण, पठन/प्रश्न/चर्चाएं।
क्रियाकलाप/ कार्य प्रोजेक्ट्स	पाठ को पढ़ाने के दौरान विद्यार्थियों द्वारा किए जाने वाले क्रियाकलाप/कार्यों का उल्लेख कीजिए ये क्रियाकलाप आपस में जुड़े होने चाहिए।
निष्कर्ष	अधिगम निष्कर्ष का वर्णन करें जिससे- • विद्यार्थियों को अधिगम का सार बनाने में सहायता मिलेगी। • भावी कक्षा की समस्याओं और क्रियाकलापों का पूर्वानुमान लगाने में सहायता मिलेगी।

24. **कृपया सुझाव दीजिए कि उपाख्यानात्मक रिकार्ड (Anecdotal Record) बनाने का सबसे अच्छा तरीका क्या होगा।**

उपाख्यानात्मक रिकार्ड विद्यार्थी के देखे हुए व्यवहार का रिकार्ड है। यह कुछ ऐसी महत्त्वपूर्ण घटनाओं का रिकार्ड है जो विद्यार्थी के आचरण, सोच, कौशल और योग्यताओं, उसके व्यक्तित्व को उजागरकरने वाले महत्वपूर्ण गुण और विशेषताओं पर प्रकाश डालता है।

किसी रूझान अथवा प्रतिरूप तक पहुंचने के लिए विविध घटनाओं अथवा किस्सों को रिकार्ड करने पर जोर दिया जाता है। शिक्षक किसी घटना अथवा किस्से को रिकार्ड करते समय हर बार अपनी टिप्पणी भी दर्ज करता है।

अपाख्यानात्मक रिकार्ड का नमूना

विद्यालय का नाम	
अवलोकित विद्यार्थी का नाम	कक्षा
पर्यवेक्षक	तिथि और स्थान
उद्देश्य का वर्णन	पर्यवेक्षक की टिप्पणी

आप सीसीई के शिक्षक मैन्युअल को देख सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए (http://cbseacademic.in/web_material/cceresources/3.cce_Manual_Revised_2011pdf) देखें।

25. **अपने स्कूल में साक्ष्यों**

आप अपने प्रबोधक (Mentor) से सम्पर्क कर सकते हैं। आप ऑनलाइन अपडेशन सिस्टम के माध्यम से

	को संग्रहित करने, प्राप्त प्रतिपुष्टि अथवा सी.सी.ई. को लागू करने के बारे में छोटी छोटी शंकाओं के समाधान हेतु संदर्शन प्राप्त करने के लिये मैं कहां जा सकता हूँ?	अपने प्रश्नों के तुरंत उत्तर पाने के लिये अपने नगर समन्वयक से भी सम्पर्क कर सकते हैं!
26.	**विद्यालयों में किस प्रकार सी.सी.ई. को प्रभावशाली ढंग से कार्यान्वित किया जा सकता है?**	कुछ सुझावों पर विचार किया जा सकता है: ● विशिष्ट विषय कार्यों से अलग विभिन्न शीर्षको के अन्तर्गत अंक दिए जाने चाहिए – जैसे कक्षा में प्रस्तुतियाँ / अन्तर्सदनीय क्रियाकलाप / कक्षा क्रियाकलाप। ● अधिगम रिक्तियों को भरने के लिये उपचारात्मक कक्षाएं आयोजित करनी चाहिए और विद्यार्थियों की भलाई के लिए उपचारात्मक उपाय करने चाहिए। ● विद्यार्थियों को अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने और आगे बढाने के लिये अधिकअवसर देने चाहिए। ● विद्यार्थियों को अनेक प्रकार से स्वयं को व्यक्त करने, सोचने और चर्चा करने के अवसर देने चाहिए। ● अभिभावकों को उनके बच्चो के प्रर्दशन के बारे में अभिभावक शिक्षक संघ की मीटिंगों अथवा विशेष मानीटरिंग सत्रों के माध्यम से नियमित जानकारी देनी चाहिए और उन्हें अपडेट करना चाहिए। ● परीक्षा से पूर्व विद्यार्थियोंको अपनी अवधारणाएं और सिद्धांत मजबूत करने के लिये सहायता देनी चाहिए। ● शिक्षकों को विद्यार्थी कि दुर्बलता के क्षेत्र पहचानने चाहिए और उन्हें सुधारने के लिये उपचारात्मक सुझाव देने चाहिए। ● धीमी गति से सीखने वालों पर विशेष ध्यान देना चाहिए! ● अभिभावकों को उनके बच्चों के प्रदर्शन के बारे में उनकी उत्तर पुस्तिकाएं दिखा कर सूचित करना चाहिए।
27.	**नगर समन्वयक को चुनने हेतु बोर्ड का क्या मापदण्ड है?**	वर्ष 2012-13 से बोर्ड ने आकलन के साक्ष्यों के विशलेषण कि प्रक्रिया को बोर्ड के सभी क्षेत्रों में नगर समन्वयक नियुक्त करने के द्वारा विकेन्द्रित किया है ये नगर समन्वयक के.मा.शि.बो. से सम्बद्ध स्कूलों के प्रधानाचार्य हैं जो या तो प्रबोधक / मुख्य प्रशिक्षक अथवा सीसीई में पूरी तरह प्रशिक्षित होते हैं और इस चुनौती पूर्ण कार्य मेंअपने स्कूल का ढांचा तथा पूरी सहायता और सहयोग देने के इच्छुक हैं।
28.	**क्या वाचन और श्रवण (बोलने और सुनने) कौशलों के आकलन साक्ष्य भी भेजे जाने हैं?**	वाचन और श्रवण कौशलों का आकलन औपचारिक रूप से सत्र के अंत में योगात्मक परीक्षा SA2 के समय किया जाएगा। यद्यपि इन कौशलों का आकलन दो सत्रों के रचनात्मक क्रियाकलापों के अन्तर्गत भी किया जा सकता है। भाषा के सभी कौशलों केआकलन की विविध गतिविधियों/क्रियाकलापों का प्रयोग रचनात्मक आकलनों के लिए किया जा सकता है। ऐसे मामलों में वाचन और श्रवण कौशलों के रचनात्मक आकलन के साक्ष्य भेजे जाने चाहिए।
29.	**क्या विद्यालयों को SA से संबंधित साक्ष्य भेजने हैं?**	विद्यालयों को SA के आकलन से संबंधित कोई साक्ष्य नहीं भेजना है। विद्यालयों को उन 15 छात्रों (जिनके साक्ष्य भेजे जाने है) के SA में प्राप्त अंकों का विवरण प्रदत्त प्रारुप में अंकित करना है
30.	**विद्यालय को अपनी**	साक्ष्यों के मूल्यांकन के पश्चात् प्रत्येक विद्यालय की प्रतिपुष्टि रिपोर्ट सीबीएसई शैक्षणिक की माइक्रोसाइट

	प्रतिपुष्टि रिपोर्ट कहाँ से उपलब्ध हो सकेगी?	पर अपलोड कर दी जाती है। प्रत्येक विद्यालय इसे माइक्रोसाइट से डाउनलोड कर सकता है। यदि विद्यालय को प्रतिपुष्टि रिपोर्ट डाउनलोड करने में कोई समस्या आती है तब विद्यालय इसके विषय में माइक्रोसाइट पर शिकायत भी भेज सकता है।
31.	**एक FA में कितनी क्रियाऐ की जानी चाहिऐं?**	सीबीएसई के मानकों के अनुसार एक FA में एक पैन-पेपर टैस्ट, एक व्यक्तिगत क्रिया व एक सामूहिक क्रिया को किया जाना आवश्यक है। क्रियाकलाप इस प्रकार के होने चाहिए कि उनसे अधिगम के उद्देश्यों को सफलतापूर्वक प्राप्त किया जा सके व अनावश्यक व अर्थविहीन क्रियाकलापों से विद्यालयों को बचना चाहिऐ।
32.	**किसी विद्यालय को आकलन के साक्ष्यों को कितने समय के लिए सुरक्षित रखना चाहिऐ।**	कक्षा X के परिणामों की उदघोषणा के उपरांत तीन माह तक आकलन के साक्ष्यों को सुरक्षित रखा जाना चाहिए। विद्यालयों को क्षेत्रीय अधिकारी द्वारा दिये गये निर्देशों का पालन करते हुए व उन्हें सूचित करने के उपरांत ही आकलन के साक्ष्यों को नष्ट करना चाहिए।